रजि. नं. 144/जयपुर/2008-09

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रुपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

www.svmmcollege.in

Unit Wise

Notes

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रूपनगढ (अजमेर) राज.

रजि. नं. 144/जयपुर/2008-09 मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रुपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

बी.ए. द्वितीय वर्ष (IInd year)

प्रथम प्रश्न पत्र : मानव भूगोल

Unit - 1

मानव भूगोल की परिभाषा, प्रकृति व विषय क्षेत्र

* परिभाषा ⇒ 1. डी. एच डेविस "मानव भूगोल मे केवल प्राकृतिक वातावरण और मानवीय क्रियाओ के मध्य सम्बन्धो का ही नही, वरन् पृथ्वीतल के क्षेत्रो का भी अध्ययन होता है।"

2. फ्रेडरिक रैटजेल "मानव भूगोल के दृश्य सर्वत्र पर्यावरण से सम्बन्धित होते है, जो स्वयं भौतिक दशाओ का एक योग होता है।"

* भूगोल मे द्वैतवाद (Dualism in Geography)
* भौतिक भूगोल एवं मानव भूगोल मे द्वैतवाद
* मानव भूगोल के अध्ययन क्षेत्र के पांच अंग
(Five Aspects of the Scope of Human Geography)
  1. किसी प्रदेश की जनसंख्या और उसकी क्षमता
  2. उस प्रदेश की वातावरण द्वारा प्रदान किए गए संसाधन
  3. उस जनसंख्या द्वारा प्राकृतिक संसाधनो का प्रयोग करने से बना सांस्कृतिक प्रतिरूप (culture-setup)
  4. प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक वातावरण के पारस्परिक कार्यो द्वारा मानव-वातावरण समायोजन का रूप
  5. वातावरण समायोजन का कालिक अनुक्रमण

पंजी. सं. 111/जयपुर/2008-09 मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रुपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

मानव भूगोल के अध्ययन के उपागम (रीतियाँ) *
* Approaches in Human Geographic Studies

4 उपागम

(1) पारिस्थितिकी उपागम (Ecological approch)

(2) क्षेत्रीय या स्थानीय उपागम (Spatial approach)

(3) व्यवहारपरक उपागम (Behavioural Approach)

(4) मानव कल्याण सम्बन्धी उपागम (Human Welfare approch)

* मानव भूगोल की शाखाएँ *

- आर्थिक भूगोल
- राजनीतिक भूगोल
- जनसंख्या भूगोल
- सामाजिक भूगोल
- सैन्य भूगोल
- ऐतिहासिक भूगोल
- [illegible] भूगोल
- यातायात भूगोल
- विपणन भूगोल
- कृषि भूगोल
- चिकित्सा भूगोल
- मनोरंजन भूगोल
- प्रजातीय भूगोल

मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर - 305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

* मानव पर्यावरण सम्बन्ध की अवधारणाएँ *

- पर्यावरण का अर्थ
- पर्यावरण की संरचनात्मक विशेषताएँ
- भौतिक पर्यावरण की आधारभूत विशेषताएँ
- सांस्कृतिक पर्यावरण की आधारभूत विशेषताएँ

⇒ पर्यावरण एवं मानव अन्तर्सम्बन्ध
(Inter. Relationship between Man & Environment)

- मानव और पर्यावरण सहजीवन की अवधारणा —
  - औरस्थाकृतियां, मृदा, जल स्रोत खनिज संसाधन, प्राकृतिक वनस्पति जीवजन्तु।

- पर्वतीय परिवेश और मानव समाज
  - मानव अनुक्रियाओं का स्वरूप
  - निवास क्षेत्र
  - अर्थतन्त्र और जीवन शैली

- मैदानी परिवेश और मानव समाज
- भूमध्यरेखीय परिवेश और मानव समाज
- मरुस्थलीय परिवेश व मानव समाज
- भारत के मैदानी परिवेश और मानव समाज
- मानसूनी परिवेश और मानव समाज

* मानव, पर्यावरण और तकनीक
(Man, Environment and Technology)

पर्यावरण के संघटक (Components of Environment)

(1) भौतिक संघटक
(2) जैविक संघटक
(3) संसाधन संघटक

* मानव प्रजातियाँ *

→ प्रजाति का अर्थ एवं परिभाषा

→ मानव प्रजातियों का उद्भव एवं विकास

⊙ मानव प्रजातियों के उद्भव के प्रमुख कारण ⇒

1. स्थानान्तरण (migration) की प्रवृत्ति
2. जलवायविक परिवर्तनजन्य प्रभाव
3. ग्रन्थियों द्वारा शारीरिक परिवर्तन
4. चयन और जैविक परिवर्तन
5. प्रजातीय मिश्रण

⊙ मानव प्रजातियों के वर्गीकरण का आधार ⇒

① बाह्य शारीरिक समानता
② जीन की समानता का सम्मिश्रक [illegible]

⊙ विश्व की मानव प्रजातियाँ ⇒ विश्व 8 प्रजातियाँ और उप-प्रजातियाँ

(अ) घुँघराले बाल वाली प्रजाति – ① अफ्रीकी नीग्रो, अफ्रीकी नीग्रीटो एवं ओशीनियाई
② नीग्रो एवं ओशीनियाई नीग्रीटो

(ब) लहरदार बाल वाली प्रजाति → ③ पूर्व द्रविड़ एवं आस्ट्रेलियाई
④ काकेशियन

(स) सीधा बाल वाली प्रजाति – ⑤ दक्षिणी मंगोल ⑥ पोलिनेशियन
⑦ उत्तरी मंगोल ⑧ अमरीन्डियन

मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्युकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ़, अजमेर 305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

UNIT - 2

* मानव जाति की प्रारम्भिक आर्थिक गतिविधियाँ *

मानव व्यवसायों का वर्गीकरण
Classification of human Occupations

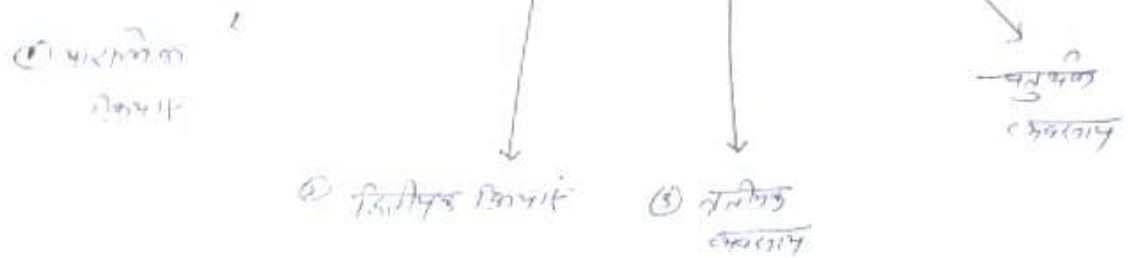

- ① प्राथमिक क्रियाएं
- ② द्वितीयक क्रियाएं
- ③ तृतीयक व्यवसाय
- चतुर्थक व्यवसाय

⇒ उपयोग के आधार पर व्यवसाय वर्गीकरण
- → आदिम व्यवसाय
- → आधुनिक व्यवसाय

① प्राथमिक क्रियाएं (Primary Activities)

1. भोजन एकत्रीकरण
2. आखेट
3. पशुचारण
4. कृषि
5. लकड़ी काटना
6. खनन

कृषि

आदिम कृषि (primitive Agriculture)

(1) स्थानान्तरित कृषि (shifting Agriculture)

आधुनिक कृषि (Modern Agriculture

(i) गहन निर्वाहन कृषि (Intensive Subsistence Farming)

पं. क्र. ... /2004-05 मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर - 305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

2) व्यापारिक कृषि या रोपण कृषि
(Commercial Plantation Agriculture)

3.) भूमध्यसागरीय कृषि
(Mediterranean Agriculture)

4) व्यापारिक अन्नोत्पादक कृषि
(Commercial Grain Farming)

5) व्यापारिक दुग्ध पशुपालन कृषि
(Commercial Dairy Farming)

** पर्यावरण के प्रति मानव का अनुकूलन **

☆ जातियों का प्रदेशानुसार वर्णन :) (1) ध्रुवीय प्रदेश या ठण्डे प्रदेश
(2) गर्म मरुस्थल
(3) पठार
(4) पर्वत

(1) ध्रुवीय प्रदेश (Polar Regions)

एशिया - :- युकागीर, याकूत, चुकची, तुंगास

यूरोप - लैप्स, फिन्स

उत्तरी अमेरिका - एस्किमो।

रजि. क्र. ... मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर -305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

⊙ उष्ण मरुस्थलीय प्रदेश (Tropical Deserts)

- बद्दू
- कालाहारी के बुशमैन

⊙ पठार (plateaus)

- मसाई
- गोंड

⊙ पर्वतीय प्रदेश (mountain Regions)

- गुर्जर

* * जनसंख्या वितरण : विश्व वितरण प्रारूप * *

जनसंख्या के भौगोलिक अध्ययन के लिए 6 महत्वपूर्ण पक्ष

1. विश्व जनसंख्या का क्षेत्रीय स्वरूप
2. विश्व जनसंख्या की वृद्धि का प्रारूप
3. विश्व जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना
4. जनसंख्या और संसाधन अन्तर्सम्बन्ध
5. जनसंख्या का क्षेत्रीय स्थानान्तरण
6. जनसंख्या सम्बन्धी (समस्याएं)

जनसंख्या का महाद्वीपीय वितरण

- एशिया में जनसंख्या वितरण
- यूरोप में जनसंख्या वितरण
- दक्षिणी अमेरिका में जनसंख्या वितरण
- आस्ट्रेलिया में जनसंख्या वितरण
- उत्तरी अमेरिका में जनसंख्या वितरण

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित ...)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ़, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

◉ जनसंख्या घनत्व –

- अधिक घनत्व वाला क्षेत्र
- मध्यम घनत्व वाला क्षेत्र
- कम घनत्व वाला क्षेत्र
- प्राय निर्जन क्षेत्र

◉ जनसंख्या के वितरण तथा घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक

1. प्राकृतिक कारक
   - (i) जलवायु
   - (ii) धरातल का स्वरूप
   - (iii) जलापूर्ति
   - (iv) प्राकृतिक वनस्पति
   - (v) खनिज संसाधन
2) मानवीय कारक
   - i) उद्योग तथा व्यवसाय
   - ii) परिवहन के साधन
   - iii) राजनीतिक कारक
   - iv) सामाजिक कारक
   - v) आर्थिक कारक

** जनसंख्या वृद्धि (population Growth) **

कारण →
1) शान्ति और सुरक्षा
2) कृषि विकास
3) औद्योगिक विकास
4) विज्ञान और तकनीकी प्रगति
5) स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार
6) प्रवास

रोकने के उपाय →
1) विवाह आयु में वृद्धि करना
2) औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि
3) सन्तति सुधारशास्त्र एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम
4) शिक्षा का प्रसार
5) सामाजिक सुरक्षा का विकास
6) औद्योगिक विकास
7) स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

UNIT - 3

स्थानान्तरण

1.) प्रयोजन के आधार पर
- → अवचेतन प्रवाह
- → बलात् या दबावयुक्त स्थानान्तरण
- → स्वैच्छिक स्थानान्तरण

2.) दूरी के आधार पर
- → क्षेत्रीय स्थानान्तरण
- → राष्ट्रीय स्थानान्तरण
- → अन्तर्राष्ट्रीय स्थानान्तरण

3.) समय के परिप्रेक्ष्य में स्थानान्तरण
- → दीर्घकालीन स्थानान्तरण
- → मौसमी स्थानान्तरण
- → दैनिक स्थानान्तरण

4) स्थान के परिप्रेक्ष्य में स्थानान्तरण
- → प्रव्रजन (out migration)
- → आव्रजन (In migration)

5.) जनसंख्या संरचना के आधार पर स्थानान्तरण
- → देहाती स्थानान्तरण
- → नगरोन्मुख स्थानान्तरण

6.) चिरस्थायी स्थानान्तरण

* स्थानान्तरण के कारक →
  1. भौतिक कारक
  2. आर्थिक कारक
  3. सामाजिक कारक
  4. राजनीतिक कारक
  5. अन्य कारक

मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

** अधिवास / अधिवासों की उत्पत्ति के प्रकार **

ब्लॉश महोदय :- " मानवीय भूदृश्य संरचनाओं को जोड़ते है।"

अधिवास के प्रकार
Types of settlements

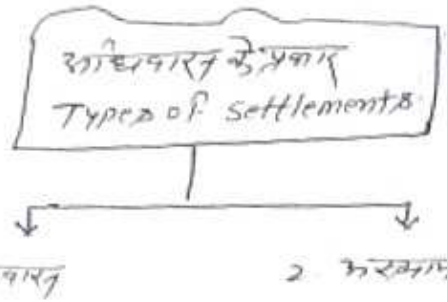

1. स्थायी अधिवास
2. अस्थायी अधिवास

* बस्तियों की उत्पत्ति एवं विकास के कारण
(क) भौतिक कारकों → ① उच्चावचन ② जल की प्राप्ति
③ जलवायु ④ अन्य कारण

* डॉ. एस डी. कौशिक के अनुसार मानव बस्तियों को मकानों की पारस्परिक दूरी के आधार पर चार भागों में विभाजित ⇒

1) प्रकीर्ण या एकाकी बस्तियाँ (Dispersed or Isolated settlements)

2) सघन या एकत्रित बस्तियाँ (Compact or Agglomerated settlements)

3) संयुक्त बस्तियाँ (Composit settlements)

4) अपखण्डित बस्तियाँ (Fragemented settlements)

रजि. नं. 111/जयपुर/2008-09 मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege roopangarh@gmail.com

द्वितीय प्रश्न पत्र : आर्थिक भूगोल एवं संसाधन भूगोल

II paper : Economic & Resource Geography

* आर्थिक भूगोल का अर्थ व विषयक्षेत्र, संकल्पनाएं *

"आर्थिक भूगोल भूतल पर मानव के आर्थिक कार्यों की प्रादेशिक भिन्नता का अध्ययन करता है। मानव के यह कार्य धन के उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग से सम्बन्धित होते हैं।" - (अलेक्जेण्डर महोदय)

विषय क्षेत्र (SCOPE) →

1) आर्थिक क्रियाकलापों के वितरण का अध्ययन
2) प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यांकन एवं मापांकरण
3) अर्थतन्त्र का वातावरण से सम्बन्ध का अध्ययन
4) स्थानिक विशेषताओं का अध्ययन
5) मानवीय संसाधनों का मापांकरण व संभावनाएँ

आर्थिक भूगोल के अध्ययन के उपागम

- → क्रमबद्ध उपागम
- → सैद्धान्तिक उपागम
- → प्रादेशिक उपागम
- → आगमनिक एवं निगमन विधियाँ
- → तन्त्र विश्लेषण उपागम
- → संसाधन - उपयोग - प्रक्रिया उपागम

पंजी. क्र. ... जयपुर 2008-09
मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

आर्थिक भूगोल की आधारभूत संकल्पनाएं
Fundamental Concepts of Economic Geography

⇒ समदैशिक व विषमदैशिक संकल्पना

समदैशिक धरातल   विषमदैशिक धरातल

⇒ स्थान व अन्तःस्थिति की अवधारणा

⇒ मापक की संकल्पना

⇒ क्षेत्रीय व्यवस्था की संकल्पना → तन्त्र दो प्रकार
- → बन्द तन्त्र
- → खुला तन्त्र

⇒ स्थानिक अन्तर्क्रिया की संकल्पना

⇒ आर्थिक भूगोल की समय एवं क्षेत्रपरक संकल्पना

⇒ भौगोलिक क्षेत्र एवं उसकी माप की संकल्पना

☆☆ मानव की आर्थिक क्रियाएँ ☆☆

मानव द्वारा उत्पादन सम्बन्धी आर्थिक क्रियाओं (Economic Activities) को 5 वर्गों में विभक्त किया जा सकता है।

(i) प्राथमिक क्रियाएँ (primary Activities) (Red Collar)
(ii) द्वितीयक क्रियाएँ (Secondry Activities) (Blue Collar)
(iii) तृतीयक क्रियाएं (Tertiary Activities (pink Collar)
(iv) चतुर्थक व्यवसाय (Quaternary Occupation) (white Collar)
(v) पंचक व्यवसाय (Quinary Activities

मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

कृषि के प्रकार एवं विश्व के कृषि प्रदेश
Agriculture types & Agricultural Regions of the world

कृषि के प्रकार

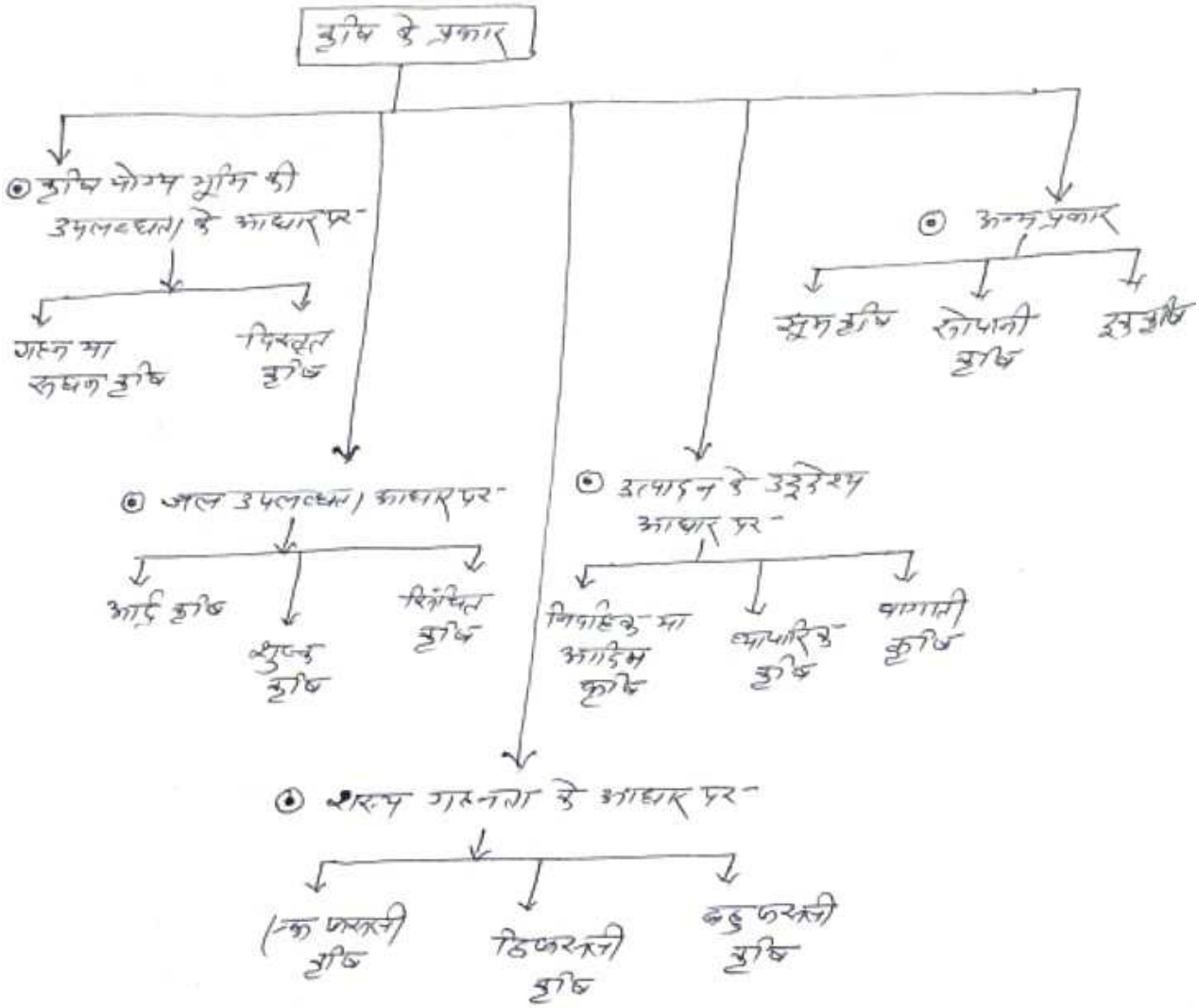

- कृषि योग्य भूमि की उपलब्धता के आधार पर -
  - गहन या सघन कृषि
  - विस्तृत कृषि
- अन्य प्रकार
  - सूक्ष्म कृषि
  - रोपानी कृषि
  - [illegible] कृषि
- जल उपलब्धता आधार पर -
  - आर्द्र कृषि
  - शुष्क कृषि
  - सिंचित कृषि
- उत्पादन के उद्देश्य आधार पर -
  - निर्वाहक या आदिम कृषि
  - व्यापारिक कृषि
  - बागाती कृषि
- शस्य गहनता के आधार पर -
  - एक फसली कृषि
  - द्विफसली कृषि
  - बहु फसली कृषि

* व्हिटलसी के अनुसार विश्व के कृषि प्रदेश

निम्न तत्वों के आधार पर कृषि प्रदेशों का निर्धारण →

1. फसलों तथा पशुओं का संयोजन
2. फसलों के उत्पादन तथा पशुपालन की विधियां
3. कृषि भूमि श्रम, पूंजी, संगठन आदि के विनियोग की मात्रा
4. उत्पादित पदार्थों के उपयोग का ढंग
5. कृषि कार्य के लिए मशीनों, उपकरणों तथा आवागमन साधनों आदि का प्रयोग।

मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजुकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर 305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

⑥ व्हिटलसी महोदय ने पांच आधारों के आधार पर 1936 - विभाजन

1. चलवासी पशुचारण (Nomatic Herding)
2. व्यापारिक पशुपालन (Livestock Ranching)
3. स्थानान्तरणशील कृषि (Shifting Cultivation)
4. प्रारम्भिक स्थायी कृषि (Rudimentry Sedentory Tillage)
5. चावल प्रधान गहन निर्वाहन कृषि प्रदेश (Intensive Subsistence Agriculture dominated by wet padi)
6. चावल विहिन गहन निर्वाहन कृषि प्रदेश (Intensive Subsistence tillage Region without Padi Rice)
7. व्यापारिक बागानी कृषि प्रदेश (Commercial plantation Tillage Region)
8. भूमध्य सागरीय कृषि प्रदेश (Mediterranean Agriculture)
9. व्यापारिक अन्न उत्पादक कृषि प्रदेश (Commercial Grain Farming Region)
10. व्यापारिक फसल एवं पशुपालन कृषि प्रदेश (commercial Livestock and crop Farming Region)
11. निर्वाहन फसल एवं पशुपालन कृषि प्रदेश (Subsistence crop and Livestock Farming Region)
12. व्यापारिक दुग्ध पशुपालन कृषि प्रदेश (Commercial Dairy Farming Region)
13. विशिष्ट बागवानी कृषि प्रदेश (Specialized Horticulture Agriculture)

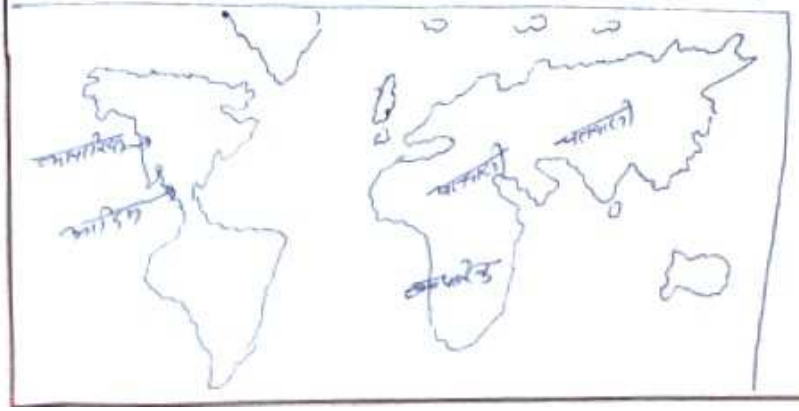

रजि. नं. ... जयपुर ...

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

UNIT = 2

(3)

* प्रमुख खनिज (Important Mineral) *

* खनिजों का विभाजन =)

1. धात्विक खनिज (लोहा, तांबा, जस्ता, सीसा, टिन, टंगस्टन, कोबाल्ट, एल्युमिनियम)
2. अधात्विक खनिज (उर्वरक खनिज, रत्न या मणि, अभ्रक, नमकादि ...)
3. खनिज ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस व आणविक खनिज)

लौह अयस्क - Iron Ore

(i) मैग्नेटाइट (2) हेमेटाइट (3) लिमोनाइट (4) सिडेराइट

⊙ लौह अयस्क का विश्व उत्पादन ⇒ (चीन, ब्राजील, आस्ट्रेलिया, रूस) भारत)

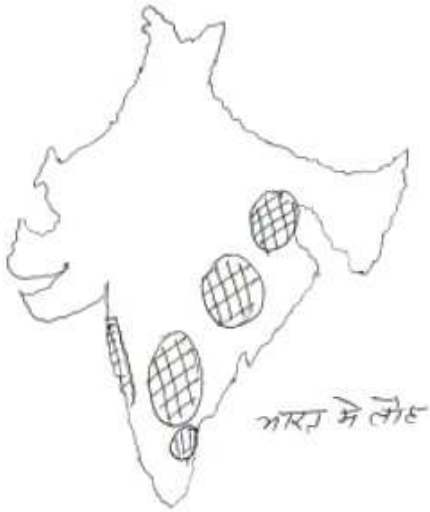

मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

* तांबा (copper)

→ महत्व व उपयोग

→ तांबा का विश्व उत्पादन प्रतिरूप

→ विश्व वितरण एवं उत्पादन

पेट्रोलियम

- पेट्रोलियम की उत्पत्ति
- शोधित तेल तीन श्रेणियां
  → गैसोलिन या पेट्रोल
  → डीजल
  → केरोसीन
- पेट्रोलियम के संचित भंडार

- विश्व मे पेट्रोलियम उत्पादन ⇒
  1. दक्षिणी पश्चिमी एशिया
  2. दक्षिणी - पूर्वी एशिया
  3. पूर्वी एशिया
  4. मध्य एशिया
  5. उत्तरी अमेरिका
  6. रूस
  7. लेटिन अमेरिका
  8. अफ्रीका

- पेट्रोलियम का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

पं. क्र. [illegible] 2008-09 मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

(5)

* प्रमुख विनिर्माण उद्योग तथा स्थानीकरण
Major manufacturing Industries and their localization

उत्पादन के आधार पर उद्योगो का विभाजन → i) कुटीर उद्योग
→ ii) लघु पैमाने के उद्योग
→ iii) वृहत् पैमाने के उद्योग

* उद्योगो के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारक

(i) औद्योगिक कच्चा माल (v) श्रम
(ii) ऊर्जा के संसाधन (vi) पूंजी
(iii) परिवहन के साधन
(iv) बाजार

अन्य कारक ⇒ (i) जल की प्राप्ति
ii) अनुकूल जलवायु
iii) सस्ती समतल जलवायु
(v) कर ढांचा प्रशुल्क दरे एवं सरकारी नीति

लौह इस्पात उद्योग
Iron & Steel Industries

स्थानीयकरण के आधारभूत कारक → कच्चा माल
→ बाजार
→ परिवहन साधनो की सुलभता
→ विस्तृत समतल भू-क्षेत्र
→ अन्य कारक

* लौह इस्पात उद्योगो मे इस्पात का निर्माण प्रक्रियाँ → ① मुक्त प्रक्रिया
② बेसेमर प्रक्रिया
③ अन्य प्रक्रिया

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्युकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर - 305814

E-Mail Id: - svmmcollege roopangarh@gmail.com

* विश्व में लौह इस्पात उत्पादन का वितरण → रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, यूरोप का स्वीडन-युगोस्लाविया, भारत

वस्त्र उद्योग Textile Industry

- स्थानीयकारक →
  1. कपास की प्राप्ति
  2. शक्ति का साधन
  3. जलवायु
  4. जलापूर्ति
  5. श्रमिकों की पूर्ति एवं विस्तृत बाजार की उपलब्धता
  6. परिवहन का साधन
  7. पूंजी

★ सूती वस्त्र उत्पादक - चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन

परिवहन
1. जल परिवहन
2. स्थल परिवहन
3. वायु परिवहन

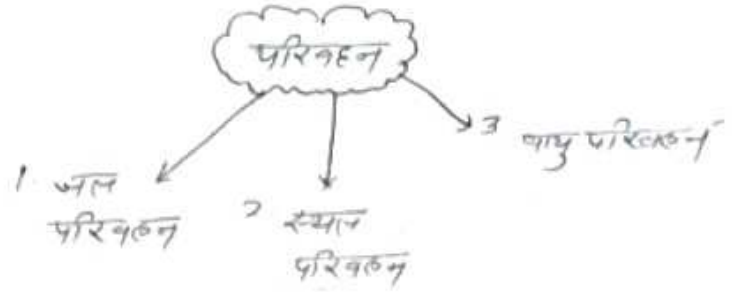

⇒ WTO
विश्व व्यापार संगठन

⇒ केन्द्रीकरण

रजि. नं. ... मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर - 305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

(5)

UNIT = 3

" संसाधन की परिभाषा, संसाधनो का वर्गीकरण, मूल्यांकन
Defination and classification of resources Evalution

"किसी उद्देश्य की प्राप्ति करना है, यह उद्देश्य व्यक्तिगत आवश्यकताओ तथा सामाजिक लक्ष्यो की पूर्ति करना है।" . संसाधन

Concepts of Resourses

⇒ संसाधन होते नही, बनाये जाते है।
⇒ संसाधन एक गतिशील संकल्पना है, स्थिर नही
⇒ संसाधन एक कार्यात्मक संकल्पना है।
⇒ संसाधन प्रतिरोधो तथा तटस्थ तत्वो के साथ मिलते है।
⇒ मनुष्य के रहन - सहन का स्तर संसाधनो के उपयोग का परिणाम है।
⇒ संसाधनो की संरक्षण की संकल्पना

संसाधनो का वर्गीकरण

(I) उपयोग की सततता पर आधारित वर्गीकरण
(1) नवीनीकरण या नव्यकरणीय संसाधन
(2) अनवीनीकरण या अनव्यकरणीय "
(3) चक्रीय संसाधन

(II) उत्पत्ति के आधार पर वर्गीकरण
(1) जैविक संसाधन (2) अजैविक संसाधन

(III) उद्देश्य के आधार पर वर्गीकरण
(1) ऊर्जा संसाधन (2) कच्चा माल (3) खाद्य पदार्थ

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर - 305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

* प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण *

* जल संसाधन → तीन रूपों में विद्यमान
→ धरातलीय जल
→ भूजल
→ महासागर

⇒ धरातलीय जल - नदियाँ, झीलें, नहरें

⇒ भूजल - आधारी जल, सहजात जल, मैग्मा जल

भूजल तीन मण्डलों में
→ असंतृप्त मण्डल
→ संतृप्त मण्डल
→ चट्टान प्रवाह मण्डल

* जल संसाधन संरक्षण -

1. जल की प्रदूषण से सुरक्षा
2. जल का पुनर्वितरण
3. भूमिगत जल का विवेकपूर्ण उपयोग
4. जनसंख्या नियंत्रण
5. सिंचाई की उन्नत विधियों का प्रयोग
6. वनावरण में वृद्धि
7. कृषि प्रतिरूप में परिवर्तन
8. बाढ़ प्रबन्धन
9. उद्योगों में जल की बचत
10. शहरी अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग
11. नगर निकायों द्वारा जल संरक्षण